



१ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ केलासादि निरं गणकणकलसु रूद्रो ज्ञान
मंडलं नमालोकनात्ययं विनयनं वीमासनक्षसिने मूढा
ठंक कान्तं ज्ञानविलसत्यायसन्नानं दीकावक्युत्त
गमं मूनिवर्गं वन्दमरुणीयव ॥ १ ॥ आदौ कर्म पुसंगकल्प
ति कलुषं मातृकृच्छ्रितस्य तन्मृगमध्यमध्वयथयति नि
तनीं आ० या० आवददा० यद्यदागच्छेत् ॥ खं पुरुवति सूतनां

कनकनवकुं कनकाभयबाध० निवनिवनिवरा श्रीमहा
दवगमा ॥ २ ॥ वालाइ० खातिमका मलत्तुलि तवयूक्त चयानधि
पासा नागर्षद्विद्यया रुवयुव जनिता जकवा मां तुदति ना
मात्रा गत ३० खाद्ददवयववम कंकर्ष नमवाति कनका
भयबाध० निवनिवनिवरा श्रीमहादवगमा ॥ ३ ॥ श्रीदाद

श्रीवनसुखविषयविषयनेः ॥ १ ॥ विषयसिद्धिः ॥ दशानुष्ट
विषयः ॥ सुखविषयविषयनेः ॥ १ ॥ विषयसिद्धिः ॥ दशानुष्ट
तीनममदयममहा मलमलविषयः ॥ १ ॥ विषयसिद्धिः ॥ दशानुष्ट
निवनिवनिवनिव ॥ १ ॥ विषयसिद्धिः ॥ दशानुष्ट
॥ विषयसिद्धिः ॥ दशानुष्ट

सनविषयविषयः ॥ १ ॥ विषयसिद्धिः ॥ दशानुष्ट
तीनममदयममहा मलमलविषयः ॥ १ ॥ विषयसिद्धिः ॥ दशानुष्ट
निवनिवनिवनिव ॥ १ ॥ विषयसिद्धिः ॥ दशानुष्ट
॥ विषयसिद्धिः ॥ दशानुष्ट

श्रीमहादेवगणेश॥६॥ स्वात्वायत्युपकालं स्वप्नविधिवि
यो नाहर्तंगणिगार्य पूजा। यतो कनाचि द्रक्ता न गहन ख पुबिली
दलानि। नानीगाय अमात्मा सत्रसिविकसिता गथपूषे स्त्वदर्ध क
न्था मेयत्राध धनिव गिव गिवरा श्रीमहादेवगणेश॥७॥ इष्टे
र्मधा श्रयूके र्घटगत निद्रितः ३ स्वायितं नेव लिङ्गं नालिफैचन्द्र
नाथे ४ कनकविनचिते ४ पृष्ठितन्नयस्तेन ४ ध्वये चर्यून युक्त

द्विविधवसुयुते नैव वरुकाय हनेः कनकया मयवाधः निवृत्ति
वमिवराधीमरुतवममहा ॥ ४ ॥ हिला रुान सप्राज पुन
वमयमनूत कृत्तिक सुम्मा (ग) वाकेका नयुलीन युक्त
तिगगहन अतिशययुनाख्य । लिगइव प्रवाक् सकल
मयवयुर्नैव दृष्टं कदापि कनकया मयवाधः निवृत्ति
वमिवराधीमरुतवममहा ॥ ५ ॥ न (अ) निःसी ग गुडु मि गु

एविमदिगं धंसुमाहन्धकान नामा। एन्यसुदृष्टि निहितज
वग। एनेवदृष्टं कदाचित् । उन्नयाव सुयाव निहाकलि म
लं गीकर्नतस्मयामि ककया मयनाधः निवजिवजिक्का श्री
महादेवगह ॥१०॥ क्षमति रुनिवाख्य पयनाखधननेव
दरुद्विजया हागयी लक्ष्मीख्य ऊत वदवदन नायिर्त

बीजमन्त्रे ॥ नायायी गीगा ववगगननियमा दूजजयी
नवेव ककया मयनाधः निवजिवजिक्का श्री महादेव
गह ॥११॥ वक्ष्याहसिग। एखनसुनरुन गीमधधगीक
न सय्यैरुद्विगककलू विमल नया लुवै वनध।
दकिले कृपासु न्यानाखधन उल्लवसायदुन। भाका

र्थं नानुचिह्नवृत्ति मन्त्रना मन्त्रैः सुकिंक मन्त्रि ॥ ७२ ॥
 किंवा नन धननवाजि कवि रिः पाश्चतनाधनकिं किंवा मि
 एकलं पयूयवा उरि दहिन एहन किं । आह्वे तन द
 रं उरं सयदि वणा धी मना दूजतः सर्वहं उरुवा यता र
 जमनः श्रीपादती वल्लरं ॥ ७३ ॥ अयं न ग्यति ययय

यतिदिनं याति कुर्यंथो वनं । एषायाति पुनर्गताद्यादि
 वसाः कालोऽगङ्गकङ्कलक्ष्मीलायातनं गङ्गावयला वि
 युञ्जन्ती विर्ता तस्मान्नां गङ्गागङ्गा गङ्गादत्तं नङ्गनङ्ग
 नां १५ ॥ वन्दे वन्दे वन्दे वन्दे वन्दे वन्दे वन्दे वन्दे वन्दे
 वन्दे वन्दे वन्दे वन्दे वन्दे वन्दे वन्दे वन्दे वन्दे वन्दे
 वन्दे वन्दे वन्दे वन्दे वन्दे वन्दे वन्दे वन्दे वन्दे वन्दे

दन्तसूर्यगणकवद्विनयनं वन्दमूकान्दधिनीव
न्दरकडनायुयश्च वन्दं वन्दनिर्वर्णकरी॥१५॥ धवल
वपुषमिन्धामुलसन्निवर्णं शुभगवलयहारैरुसदि
भृगमीर्णं। हविषयनयुयादि कानूवन्त्राईमोर्लि हृदय
कमलमाधु सैर्निर्दिक्त्यामि॥१६॥ वपुः पाइरुवादि

मूमितमिदं ऊननिष्ठापूजावनकापि कनमपि रवर्न
नयुवावात। नमस्कृ० सैत्य हमतनूत। यथातिमा
वितीनकनैवी तदिदमयनाधदयमायि॥१७॥ कनकपि
कनमं कोमदीनकमाङ्गं शुभगवविषर्णिगं। लखरुषा
मूषमं। निवसिनिहितगर्गं। नेलकन्या शुङ्गीं सुकल

इति तर्हं नो मयहं मुक्तिं निगं ॥ १८ ॥ कनकवचनकृता
वा कर्मवैकायडैवा प्रवचनयनडैवा मानसैवा
यनाधीविदितमतिहिरीवा सर्वमतान्कमथ ऊयडा
यकवृक्षश्च श्रीमहादेवशम्भु ॥ १९ ॥ श्रीमहादेवी वडा
निजनिर्गं ग्रामनिर्गं विभागं माधपायी प्रवृत्तवच

नं साकवादाय नानं । वृक्षद्वयं कलिऊनवनिं प्रा
विनीनिर्दयवै माखद्वयं ममपुत्रयनं ऊनऊनमा
नवयू ॥ २० ॥ इति श्रीगीकवाचार्यविरचितं प्रथमं
सुव४ समाप्तं ॥ ॥ १८ ॥ श्रीमहादेवी वडा
निर्गं विभागं माधपायी प्रवृत्तवच

मातिखानू न ११ विर नरक नकमय - कीर्तिविर्लब्धनयनयनम्

रुद्रदत्तलय - कृमादिद्वय (थ) २० मर्व उमण
व्यपसि - नमः श्वन विमवावीद मातिन
पदपादा ३ रनिव निवन चडिलूतव उम
यपुन षा तमः काय नममसा दिव्या स्वध
वावाय कि ति श्वर न क ममिद दे सुकन वंदम

मानयनायति सम ययामि ॥ उमस्ययलूतमा ॥
॥ श्री १॥ श्रीकम ॥ ॥ जय ग्या क श्व न पाय जय ग्या क वि
मयतिन दय देव विदवाय दय जित न भासुत जय र लो क
नाथय दय वि दय सुपति दय सुन न पाय जय का न न म
॥ १२२ ॥ ॥ जय न क र क ॥ ॥ जय ब्रह्मा प्रम वि ॥ ॥ जय ति शु न द स
य जय ल द न म ॥ ॥ जय क मि श ति नाय द य न म म म न य द
यति ल व द नी य ॥ ॥ जय न भा सु ॥ ॥ जय स धा वा माय ॥ ॥ जय धा न
हय क द य ॥ ॥ जय न पाय ॥ ॥ जय सा न म म ल सा न म सु र ॥ ॥ जयान
न क र पाय ॥ ॥ जय न वि ल मि ॥ ॥ जय स वा लु ति नाय ॥ ॥ जय ज न भा
सु ॥ ॥ जय च द क ॥ ॥ जय जय पाव क क क ॥ ॥ जय न वि द क नाय ॥

पुनरातिष्ठन् मासु कदायस्मिन् नवासाय न्नयति विदुर्नय कदायस्मिन्

ॐ नमो ह्येवमवास्तुतवाय ॥ १७ ॥ नामसुहस्रं सुकुतव
सहस्रं सुकुतव ॥ १८ ॥

भाग॥ (मैनि॥ पु॥ जनधनहृदय
यसहस्रगदावक्रः - गरुदायस्य
वाहनसमकनोक्तुयानपेक्षनासाडा
दन॥ (मैनि॥ पु॥ नमसिवाय

गीता नाम स ह मुकु तव
नाम मनु स्मृति गज द्य भा
क व र्ण व व दू य प्र ण णि व
दू त व ॥ व र्ण ह लै रिव त
ह्य णि त न वा य थ त नू य त
म श्व णि त नू म नि हि त ह
नि ॥ ५ ॥

नामनामनामनामनामनाम

१॥

𐎧𐎫𐎼𐎠 𐎧𐎫𐎼𐎠 𐎧𐎫𐎼𐎠 𐎧𐎫𐎼𐎠 𐎧𐎫𐎼𐎠 𐎧𐎫𐎼𐎠 𐎧𐎫𐎼𐎠

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely a historical or religious manuscript. The text is written in dark ink on aged, yellowed paper. It consists of approximately 10 lines of text, with some lines starting with a double vertical bar (||) or a single vertical bar (|). The script is dense and difficult to decipher without specialized knowledge of the language.

Handwritten text in a cursive script, likely a historical or religious manuscript. The text is written in dark ink on aged, yellowed paper. It consists of approximately 10 lines of text, with some lines starting with a double vertical bar (||) or a single vertical bar (|). The script is dense and difficult to decipher without specialized knowledge of the language.

Handwritten text in a cursive script, likely a medieval manuscript. The text is arranged in approximately 10 lines across the page. The script is dense and characteristic of late Gothic or early modern cursive. The parchment is aged and shows some staining.

Handwritten text in a cursive script, likely a medieval manuscript. The text is arranged in approximately 10 lines across the page. The script is dense and characteristic of late Gothic or early modern cursive. The parchment is aged and shows some staining.

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a single column on a single page. The script is dense and appears to be a form of Old English or a similar early modern language. The text is written in a single column on a single page. The script is dense and appears to be a form of Old English or a similar early modern language. The text is written in a single column on a single page. The script is dense and appears to be a form of Old English or a similar early modern language.

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a single column on a single page. The script is dense and appears to be a form of Old English or a similar early modern language. The text is written in a single column on a single page. The script is dense and appears to be a form of Old English or a similar early modern language. The text is written in a single column on a single page. The script is dense and appears to be a form of Old English or a similar early modern language.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ २ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ३ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ ४ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ५ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ६ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ७ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ८ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ९ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १० ॥

[illegible]

Handwritten text in an ancient script, likely Coptic, inscribed on a rectangular piece of aged, brown leather. The text is arranged in approximately eight horizontal lines, written in dark ink. The script is highly stylized and characteristic of early Christian manuscripts. The leather surface shows signs of wear, including creases and discoloration, particularly along the edges. The text is densely packed and covers most of the central area of the leather fragment.

[illegible]

मादिबलि का शासिदि

३३

॥२॥ ओं सा नमः नमः नमः
॥३॥ ओं नमः नमः नमः
॥४॥ ओं नमः नमः नमः
॥५॥ ओं नमः नमः नमः
॥६॥ ओं नमः नमः नमः
॥७॥ ओं नमः नमः नमः
॥८॥ ओं नमः नमः नमः
॥९॥ ओं नमः नमः नमः
॥१०॥ ओं नमः नमः नमः
॥११॥ ओं नमः नमः नमः
॥१२॥ ओं नमः नमः नमः
॥१३॥ ओं नमः नमः नमः
॥१४॥ ओं नमः नमः नमः
॥१५॥ ओं नमः नमः नमः
॥१६॥ ओं नमः नमः नमः
॥१७॥ ओं नमः नमः नमः
॥१८॥ ओं नमः नमः नमः
॥१९॥ ओं नमः नमः नमः
॥२०॥ ओं नमः नमः नमः

[illegible]



[The following text is written in a cursive script, likely a form of Old English or Old Norse, and appears to be a continuation of the previous page's content.]

[illegible]

Handwritten text in an ancient script, likely Pahlavi, on the top page of a manuscript. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines, written in dark ink on aged, yellowish-brown parchment. The script is cursive and compact, with some characters appearing to be ligatures. The parchment shows signs of wear, including slight discoloration and small holes or tears, particularly along the right edge.

Handwritten text in an ancient script, likely Pahlavi, on the bottom page of a manuscript. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines, continuing from the top page. The script is consistent with the one on the top page, showing a cursive style. The parchment is similarly aged and shows signs of wear, with some staining and minor damage visible at the bottom edge.

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ २ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ३ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ ४ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ५ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ६ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ७ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ८ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ९ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीगुरुदेवाय नमः ॥ श्रीगुरुदेवाय नमः ॥
 श्रीगुरुदेवाय नमः ॥ श्रीगुरुदेवाय नमः ॥
 श्रीगुरुदेवाय नमः ॥ श्रीगुरुदेवाय नमः ॥
 श्रीगुरुदेवाय नमः ॥ श्रीगुरुदेवाय नमः ॥
 श्रीगुरुदेवाय नमः ॥ श्रीगुरुदेवाय नमः ॥

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript or document fragment.

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो

८२६

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 अथ श्रीसुब्रह्मयज्ञोक्तं
 यजमानस्तथा ब्रह्मा
 तदा ब्रह्मविष्णुशिव
 इति त्रैलोक्यं पश्यन्
 भूतानि जगद्विभक्तम्
 तदा ब्रह्मविष्णुशिव
 इति त्रैलोक्यं पश्यन्

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ २ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं ॥
 कुरुक्षेत्रे भक्ष्यं यो धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे ॥
 समवेता संजय ॥ ३ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ४ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ ५ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ६ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ७ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ८ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ९ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १० ॥

Handwritten text in Devanagari script, likely a historical document or manuscript. The text is written in black ink on aged, yellowed paper. It appears to be a list or a series of entries, possibly related to a historical record or a legal document. The script is somewhat faded and the paper shows signs of wear and discoloration.

Handwritten text in Devanagari script, continuing the list or series of entries from the previous section. The text is written in black ink on aged, yellowed paper. It appears to be a list or a series of entries, possibly related to a historical record or a legal document. The script is somewhat faded and the paper shows signs of wear and discoloration.

Handwritten text in Devanagari script, likely a title or a heading. The text is written in black ink on aged, yellowed paper. It appears to be a list or a series of entries, possibly related to a historical record or a legal document. The script is somewhat faded and the paper shows signs of wear and discoloration.

783

ARCHIVES

Handwritten text in Devanagari script, likely a title or a heading. The text is written in black ink on aged, yellowed paper. It appears to be a list or a series of entries, possibly related to a historical record or a legal document. The script is somewhat faded and the paper shows signs of wear and discoloration.